हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 30 जनवरी 2026

11 300 मीटर रेस में बिडोला की मंजू और 400 में आलमपुर...

12 लीपापोती करने वाले अफसर को फटकारा...

खबर संक्षेप

कृपा सांवरे की परिवार की भजन संध्या आज

भिवानी। छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी शहर 30 जनवरी को भक्ति के सागर में सराबोर होने के लिए तैयार है। नई अनाजमंडी में कृपा सांवरे की परिवार द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की सबसे खास बात ये है कि जहां देश के दिग्गज भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं श्रीसनातन धर्म के प्रख्यात संतों का पावन सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। कृपा सांवरे की परिवार के प्रधान मनीष गोयल ने बताया कि भजन संध्या में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार महामंत्री यश देव शास्त्री, बाबा मस्तनाथ मठ पीठाधीश्वर एवं बाबा मस्तनाथ विवि कुलपति महंत बालकनाथ योगी आदि भंजन संध्या में पहुंचेंगे।।

गांव सिंघानी में श्रीश्याम महोत्सव एक को

लोहारू। एक फरवरी को गांव सिंघानी के श्रीश्याम मंदिर परिसर में मंदिर कमेटी और ग्रामीणों के सहयोग से श्रीश्याम महोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें लोहारू हलके के कांग्रेसी विधायक राजबीर सिंह फरटिया बतौर मुख्यतिथि शिरकत करेंगे। वहीं दूर दराज के क्षेत्रों से आए गायक कलाकारों भजनों के माध्यम से श्रीश्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। राजपाल सिंघानी ने बताया कि कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल, दिलीप सिंह श्योराण, दिनेश गोयल और पवन अग्रवाल बतौर विशिष्ट शामिल होंगे।

मकान निर्माण कार्य 16 फरवरी तक करें पूरा

भिवानी। नप के कार्यकारी अधिकारी राजा राम ने बताया कि हाउसिंग फॉर ऑल डिपार्टमेंट के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र के जो व्यक्ति प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण करवा रहे हैं, वे अपना निर्माण कार्य 16 फरवरी तक पूरा करें ताकि समय रहते सभी औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। उन्होंने बताया कि सरकार की हिदायतों अनुसार यदि 28 फरवरी तक वे अपना मकान निर्माण पूरा नहीं कर पाते हैं तो उनको इस योजना के तहत ऋण सहायता राशि नहीं दी जाएगी।

7वां भंडारा एवं कुश्ती दंगल 31 को

तोशाम। हरियाणा की धरती से खेल और भक्ति का अटूट नाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रीगोरक्ष शक्तिपीठ समिति द्वारा 31 जनवरी और एक फरवरी को गांव ईशरवाल तोशाम-बहल मोड, रोढ़ा मोड में 7वां भंडारा एवं कुश्ती दंगल आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन श्री श्री 1008 योगी बाबा मंगलनाथ महाराज (शिष्य 108 बार के रक्तदाता स्टेट अवॉर्डी मौनी बाबा तुरंत नाथ) के सानिध्य में संपन्न होगा। निर्माणाधीन योगाचार्य सतगुरु गोरक्ष नाथ मंदिर के आदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक सत्संग के साथ-साथ अखाड़े की मिट्टी में पहलवान अपना दम दिखाएंगे। श्रद्धालु युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने बताया कि 31 जनवरी शनिवार को रात्रि 9 बजे से प्रभु इच्छा तक सत्संग का आयोजन होगा।

बिजली कर्मचारियों ने सांकेतिक भूख हड़ताल कर जताया रोष

कच्चे कर्मचारी जल्द पक्के हों 1000 यूनिट बिजली मुफ्त दें

सरकार ने बिजलीकर्मियों की मांगें नहीं मानी तो भविष्य में आंदोलन करेंगे तेज: सर्कल सचिव

भिवानी। राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद।

वक्ता बोले-सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय उन्हें कागजी कार्रवाई और तकनीकी उलझनों में फंसा रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और ईईएफआई से संबंधित ऑल हरियाणा पॉवर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन (हेड ऑफिस हिसार) के आह्वान पर बुधवार को भिवानी सर्कल में बिजली कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर एक दिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल की। सांकेतिक भूख हड़ताल व धरने की अध्यक्षता सर्कल सचिव अशोक गोयत ने की, जबकि मंच संचालन विकास भूंगला व राजेश बुला ने संयुक्त रूप से किया। सकसं के प्रधान सुमेर आर्य ने कर्मचारियों को फूल-माला पहनाकर कर्मचारियों नेताओं को सांकेतिक भूख हड़ताल पर बैठाया।

भिवानी। बिजली कर्मियों की एक दिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल के दौरान विरोध जताते कर्मचारी।

इन्होंने किया संबोधित

भूख हड़ताल को राज्य प्रधान राजेश सांगवान, राज्य सचिव लोकेश, राज्य कमेटी सदस्य चांदराम, विजय जांगड़ा, सतीश पूनिया, शिक्षा बोर्ड के प्रधान सत्यवीर स्वामी, राजेश लांबा, , सकसं राज्य के सचिव अशोक पिलानिया ने भी संबोधित किया। इसके अलावा सतीश तंवर, सुरेश अटरिया, अशोक साहनी, रविंद्र यादव, मनदीप बरवाल, सतवीर, शंकर शर्मा व बिजेंद्र गिरी जैसे नेताओं ने भी अपने विचार रखे और आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी। भूख हड़ताल को संबोधित करते हुए राज्य कमेटी के पदाधिकारियों ने सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय उन्हें कागजी कार्रवाई और तकनीकी उलझनों में फंसा रही है। इस दौरान सर्कल सचिव अशोक गोयत ने कहा कि हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशानुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की प्रक्रिया जल्द पूरी होनी चाहिए, लेकिन धरातल पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि बिजली जैसी आपातकालीन और जोखिम भरी सेवा में आदर्श तबादला नीति को लागू करना कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना को जल्द बहाल करने की मांग दोहराई।

खाली पड़े पदों पर बढ़ते लोड के अनुसार तुरंत नियमित भर्ती करे सरकार

सर्कल सचिव अशोक गोयत ने बिजली निगम के प्रबंधन और सरकार के सामने मांगों का चार्टर रखा, जिसमें जब तक 240 दिन पूरे कर चुके कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जाता, तब तक उन्हें समान काम-समान वेतन और मेडिकल सुविधाएं देने, सभी बिजली घरों में कार्य की जटिलता को देखते हुए पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों का प्रबंध करवाने, कार्यरत (कच्चे व पक्के) और सेवानिवृत्त बिजली कर्मचारियों को प्रति माह 1000 यूनिट मुफ्त बिजली देने, खाली पड़े पदों पर बढ़ते लोड के अनुसार तुरंत नियमित भर्ती करने, जिन कार्यालयों में पांच से अधिक महिला कर्मचारी हैं, वहां क्रेच, रेस्ट रूम और अलग शौचालय की व्यवस्था करने तथा विशेष परिस्थितियों में महिलाओं के काम के घंटों में छूट देने की मांग की। ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन के राज्य ऑडिटर धर्मबीर भाटी ने सरकार को स्पष्ट किया कि उनकी जायज मांगों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में बिजली कर्मचारी बड़ा आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से प्रशासन और सरकार की होगी।

चार लेबर कोड बिल व रोडवेज निजीकरण के खिलाफ 12 फरवरी को होगा चक्का जाम

भिवानी। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी में राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग की, जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद की और संचालन सुमेर सिवाच ने किया। सभी डिपो कमेटी व राज्य कमेटी के नेताओं ने भाग लिया और 12 फरवरी की हड़ताल का निर्णय लिया। कर्मचारी नेताओं ने प्रेस बयान में बताया कि चार टीमों का गठन किया। टीम एक नरेंद्र दिनोद व कृष्ण ऊण, टीम दो सुमेर सिवाच व शिवकुमार, टीम तीन रमेश व सुनील तथा टीम चार जयकुमार दहिया व पवन शर्मा की अध्यक्षता में सभी डिपो का दौरा किया जाएगा। हड़ताल के लिए गेट मीटिंग और मीटिंग की जाएंगी। उन्होंने निजीकरण की नीतियों व कर्मचारी मजदूरी विरोधी चारों लेबर कोडो रद करने की मांग करते हुए आठवें वेतन आयोग का गठन समान काम समान वेतन देने की मांग की। वहीं पुरानी पेंशन बहाली व सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, खाली पदों पर भर्ती करने की मांग उठाई। डिपो राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने बताया कि हरियाणा सरकार व परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत में विभाग के कर्मचारियों की बनाई तबादला नीति खामियों पर यूनियन लिखित आपत्ति जताते हुए तबादला नीति रद्द करने की मांग कर चुकी है।

चालकों-परिचालकों का पे ग्रेड बढ़ाने की मांग

राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद व महासचिव सुमेर सिवाच ने बताया 22 मई 2025 व 22 फरवरी 2026 को को महानिदेशक के साथ हुई बातचीत में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उनमें, चालकों लिपकों, परिचालकों का पे ग्रेड बढ़ाने, चालक व परिचालकों को एक माह में 30 रात्रि ठहराव के भुगतान करने व अर्जित अवकाश पूर्व की भांति एक वर्ष में 33 अवकाश देने की मांग रखी गई थी।

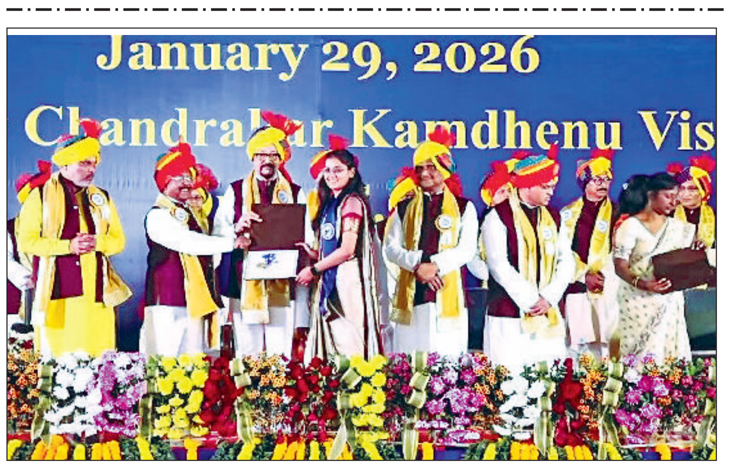

बहल। आयोजित कार्यक्रम में सुधीवास की बेटी को सम्मानित करते हुए।

सुधीवास की बेटी साक्षी ने विश्वविद्यालय में किया टॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बहल क्षेत्र के सुधीवास गांव की बेटी साक्षी ने शिक्षा के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साक्षी ने बैचलर इन डेयरी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में कामधेनु विश्वविद्यालय में टॉप कर गौरव हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि के लिए साक्षी को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा वीरवार को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

साक्षी को यह सम्मान दाउ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, अंजोरा, दुर्ग के दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। समारोह के दौरान राज्यपाल रमेन डेका ने साक्षी की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाशाली छात्राएं समाज और देश के भविष्य को सशक्त बनाती है और देश की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनती है।

साक्षी साधारण ग्रामीण परिवार से संबंध रखती है। उनके पिता प्रेम कुमार अध्यापक है और माता सुनीता देवी गृहणी है। दोनों ने साक्षी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साक्षी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता, पिता, शिक्षकों और विश्वविद्यालय के मार्गदर्शकों को दिया।

बीआरसीएम में जश्न, क्षेत्र के लोगों ने दी बधाई

साक्षी की उपलब्धि पर बहल के बीआरसीएम संस्थान में खुशी का माहौल है। संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने कहा कि साक्षी जैसी होनहार बेटी अनेकों अनेक बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उनकी उपलब्धि से बीआरसीएम संस्थान को नया गौरव मिला है। वहीं, साक्षी की उपलब्धि पर भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, सज्जन फौजी बिधनोई, अजय बिधनोई, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, बीडीसी वाइस चेयरमैन प्रमिला मान सुधीवास, नवीन सुधीवास सहित अन्य लोगों ने खुशी जताई है।

खेलों में भी रुचि

साक्षी के ताऊ रामकुमार सुधीवास ने बताया कि साक्षी शुरू से ही प्रतिभावान रही है। उसकी प्रारंभिक शिक्षा सुधीवास के सरकारी प्राइमरी विद्यालय से हुई है। साक्षी ने वर्ष 2025 में बीटेक में पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी उपलब्धि पर उनको राज्यपाल के हाथों सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि साक्षी पढ़ाई में तो होशियारी है ही साथ ही उसकी खेलों में भी गहरी रुचि है।

पेयजल लाइन की वॉल होदी पर स्लैब रखवाने से मिली नागरिकों को राहत

भिवानी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने महम गेट पर वॉल की होदी पर स्लैब रख दिया है। इससे आसपास क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ राहगीरों की परेशानी दूर हुई है। क्षेत्र के नागरिकों ने डीसी साहिल गुप्ता सहित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार प्रकट किया है। उल्लेखनीय है कि महम गेट के पास जलापूर्ति से संबंधित एक वॉल की होदी को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने हाल ही में दुरुस्त किया था, लेकिन होदी के गीला होने के चलते स्लैब नहीं रखा गया था। स्लैब नहीं होने व खुला होने की वजह से जहां एक तरफ कोई हादसा होने का अंदेशा था वहीं दूसरी ओर आसपास क्षेत्र के लोगों और आम नागरिकों के लिए भी परेशानी का सबब बना हुआ था। यह मामला डीसी साहिल गुप्ता के संज्ञान में आया। डीसी ने इसे गंभीरता से लेते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से स्लैब डलवाने के निर्देश दिए। डीसी के निर्देश मिलते ही विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और होदी पर स्लैब रखवाया। स्लैब रखने से जहां एक तरफ हादसों का अंदेशा समाप्त हुआ है, वहीं दूसरी ओर आसपास क्षेत्र के लोगों और आम राहगीरों की परेशानी दूर हुई है। क्षेत्र के नागरिकों ने डीसी के साथ-साथ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों का भी आभार प्रकट किया है।

■ हादसा होने का था अंदेशा

हरियाणा मुएथाई टीम ने दिखाया दमखम तीन स्वर्ण सहित जीत लिए 16 पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हैदराबाद के शमशाबाद में 22 से 25 जनवरी तक हुई 7वीं सीनियर राष्ट्रीय मुएथाई चैम्पियनशिप में हरियाणा के 30 सदस्यीय दल ने भाग लिया, जिसमें हरियाणा मुएथाई टीम में 11 महिला खिलाड़ी व 15 पुरुष खिलाड़ियों सहित चार कोच मैनेजर शामिल होकर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व किया।

■ श्रद्धा ग्रेवाल समीक्षा और मुनीम ने स्वर्ण पदक जीते

मुएथाई खेल संघ हरियाणा के महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने कहा कि हरियाणा टीम में सभी खिलाड़ी बहुत अनुभवी थे और सभी खिलाड़ियों ने अपने भारवर्ग में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। वशिष्ठ ने बताया कि चैंपियनशिप में श्रद्धा ग्रेवाल, समीक्षा व मुनीम ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं भूमिका, दीपांशु, अंजली व हितेश सांगवान ने रजत पदक तथा निखिल शर्मा, दीपक, सौरभ राठी, शालिनी, रंजन, रीना रानी, भारती व मंजीत आदि ने कांस्य पदक जीते। हरियाणा टीम के खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराते हुए तीन स्वर्ण सहित 16 पदक जीतकर प्रदेश क नाम रोशन किया है। विजेता खिलाड़ियों का हरियाणा पहुंचने पर मुएथाई खेल संघ के चैयरमैन कमल सैनी व प्रदेशाध्यक्ष राहुल राणा ने अभिनंदन किया।

भिवानी के लाल मुकुंद तंवर ने 13 साल से गड्ढे में पड़े शीरे को बेचकर शुगर मिल को दिलाई संजीवनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कहते हैं कि अगर इरादे नेक हों और प्रबंधन सटीक तो कचरे से भी कंचन बनाया जा सकता है। इसे सच कर दिखाया है भिवानी जिले के गांव बापोड़ा के निवासी और एचसीएस अधिकारी मुकुंद तंवर ।

वर्तमान में महम को-ऑपरेटिव शुगर मिल के प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में कार्यरत मुकुंद तंवर को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए गणतंत्र दिवस समारोह में सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया है। मुकुंद तंवर के मार्गदर्शन में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के परिणाम स्वरूप महम चीनी मिल को गणतंत्र दिवस समारोह में सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया है। इस सफलता की सबसे दिलचस्प कहानी मिल परिसर के एक गड्ढे से जुड़ी है। फरवरी 2013 में मिल का एक बड़ा टैंक फट गया था, जिससे भारी मात्रा में शीरा बहकर एक बड़े गड्ढे में जमा हो गया था। पिछले 13 वर्षों से कई अधिकारी आए और गए, लेकिन किसी ने इस बेकार पड़े शीरे की सुध नहीं ली।

फरवरी 2025 में जब मुकुंद तंवर ने कार्यभार संभाला, तो उन्होंने अपनी स्मार्ट मैनेजमेंट तकनीक का उपयोग किया। उन्होंने गड्ढे में पड़े 5500 क्विंटल शीरे की टेस्टिंग करवाई तथा जांच में पाया गया कि यह इंसानों या पशुओं के काम का तो नहीं, लेकिन औद्योगिक उपयोग के योग्य है। इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए 80 लाख रुपये में बेचा गया, जिससे मिल को सीधा आर्थिक लाभ हुआ।

महम को-ऑपरेटिव शुगर मिल के प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में कार्यरत मुकुंद तंवर

महम मिल के परिचालन खर्च में 8 करोड़ रुपये की बचत

मुकुंद तंवर मूल रूप से भिवानी जिले के ऐतिहासिक गांव बापोड़ा के रहने वाले हैं। बापोड़ा गांव सैन्य और प्रशासनिक सेवाओं में अपने योगदान के लिए जाना जाता है, और अब मुकुंद तंवर ने अपनी कार्यशैली से गांव और पूरे भिवानी जिले का नाम रोशन किया है। एक एचसीएस अधिकारी के रूप में उनकी इस दूरदर्शी सोच ने साबित कर दिया कि सरकारी संसाधनों का सही उपयोग कैसे किया जाता है। मुकुंद तंवर के नेतृत्व में केवल एक वर्ष में महम मिल ने जो मुकाम हासिल किया है, वह मिसाल है। 13 साल से बेकार पड़े शीरे से 80 लाख रुपये की कमाई। पिछले सत्र की तुलना में परिचालन खर्च में 8 करोड़ रुपये की बचत। गन्ना उत्पादन रकबा बढ़कर 13 हजार155 एकड़ हुआ। मिल परिसर में पड़े कबाड़ को बेचकर 43.24 लाख रुपये जुटाए। किसानों को 10 जनवरी तक 17.07 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। सहकारिता मंत्री ने मुकुंद तंवर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके स्मार्ट मैनेजमेंट के कारण ही मिल आज बिना किसी कर्ज के अपने खर्च निकाल पा रही है। मिल के मुख्य लेखा अधिकारी आनंद बामल ने एमडी की ओर से यह सम्मान प्राप्त किया।

बदहाली: रोजाना सैकड़ों छात्र और नागरिक आते हैं पढ़ने, गंदगी से बढ़ती है परेशानी

पुस्तकालय में फैली गंदगी पाठकों के लिए बनी परेशान: ईश्वर

जिला प्रशासन की लापरवाही से बदहाली के आंसू बहा रही पंडित नेकीराम शर्मा लाइब्रेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सेठ किरोड़ीमल पार्क स्थित पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय जिला पुस्तकालय इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू रो रहा है। विडंबना ये है कि जिस स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की स्मृतियां जुड़ी हैं, वहां पिछले छह महीनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है।

इस मुद्दे को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए समाधान शिविर में शिकायत सौंपी हैं। पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने कहा कि जिला प्रशासन इन महापुरुषों के सम्मान को पूरी तरह भूल चुका है।

■ पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने समाधान शिविर में सौंपी हैं शिकायत

भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा पुस्तकालय परिसर में टूटकर पड़ी झाड़ियां दिखाते पूर्व पार्षद ईश्वर मान।

हर वक्त जहरीले जीवों का बना रहता डर

ईश्वर सिंह मान ने बताया कि पुस्तकालय प्रांगण में एक एकड़ क्षेत्र में बड़ी-बड़ी झाड़ियां और कबाड़ उगा हुआ है। पिछले छह माह से प्रशासन ने पुस्तकालय परिसर की सुध नहीं ली है। बरामदे में गिरे हुए पेड़ों की टहनियां और झाड़ियां पाठकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के आसपास फैली गंदगी स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाती है। मान ने कहा कि पुस्तकालय में जिलेभर से सैंकड़ों छात्र और नागरिक पढ़ने आते हैं। गंदगी व झाड़ियों के कारण हर वक्त जहरीले जीवों का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी केवल मूर्तियां स्थापित करने तक सीमित है, उनकी देखरेख कौन करेगा। पूर्व पार्षद ने मांग की कि प्रशासन तुरंत ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक स्थल की सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी, क्योंकि ये मामला केवल सफाई का नहीं बल्कि शहर की विरासत और छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा है।

हादसे के समय स्कूल में मौजूद नहीं थे बच्चे

गोपी के मिडिल स्कूल की दीवार गिरी, हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

गांव गोपी स्थित राजकीय मिडिल स्कूल की चारदीवारी अचानक गिर जाने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गनीमत रही कि घटना के समय स्कूल में बच्चे मौजूद नहीं थे, अन्यथा जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था।

दीवार गिरने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में रोष फैल गया। ग्रामीण बिजेंद्र, बीडीसी अशोक कुमार, सुनील, सतीश, नवीन, सचिन,संदीप सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल की चारदीवारी काफी समय से जर्जर हालत में थी, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया। बार-बार शिकायत करने के बावजूद मरम्मत नहीं करवाई गई, जिसका नतीजा अब सामने आ गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में रोजाना सैकड़ों बच्चे पढने आते हैं और दीवार गिरने से उनकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग व प्रशासन से मांग की है कि स्कूल की चारदीवारी का जल्द पुनर्निर्माण करवाया जाए और अन्य जर्जर भवनों की भी जांच करवाई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने भी स्थिति का जायजा लिया और उच्च अधिकारियों को सूचना दे दी गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि दीवार गिरने के कारण लावारिश पशु व कुत्ते स्कूल में घुमते रहते है, जिसके चलते स्कूल के बच्चों के साथ कोई भी हादसा हो सकता है।

वनस्पति जगत / शिखर चंद जैन

अजब-अनोखे मनभावन फूल

रंग-बिरंगे मनमोहक फूल किसे नहीं भाते! इन फूलों की अगर अपनी कोई ऐसी खूबी हो, जो बहुत अनोखी हो तो इनका आकर्षण और बढ़ जाता है। जानो, ऐसे ही कुछ अजब-अनोखे फूलों के बारे में कि ये किस कारण अनोखे हैं और ये कहां पाए जाते हैं?

बच्चो, फूल अपनी खूबसूरती और सुगंध के लिए तो जाने जाते ही हैं, इसके अतिरिक्त दुनिया में कई ऐसे फूल हैं, जो बहुत अजब-गजब हैं, जो भी इन्हें देखता है, आश्चर्यचकित रह जाता है। यहां हम बता रहे हैं, ऐसे ही कुछ अनोखे फूलों के बारे में।

मंकी ऑर्किड: नाम के मुताबिक ही इसकी पंखुड़ियों की बनावट बिल्कुल बंदर के चेहरे जैसी होती है। यह फूल मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के देश इक्वेडोर और पेरू के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है। इस फूल में से पके हुए संतरे जैसी खुशबू आती है।

ब्लीडिंग हार्ट: यह फूल गहरे गुलाबी और सफेद रंग का होता है। इसका आकार दिल जैसा होता है, जिसके नीचे से एक बूंद टपकती हुई दिखाई देती है। यह ब्लीडिंग हार्ट जैसा ही दिखता है। यह फूल साइबेरिया, चीन और जापान में पाया जाता है।

हुकर्स लिप: यह फूल किसी महिला के होंठों पर लगी लिपस्टिक जैसा दिखता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षा वनों में पाया जाने वाला यह पौधा, फूलों जैसे दिखने वाले अपने चटक लाल रंग के ब्रैक्ट्स (पत्तियों का एक रूप) के लिए मशहूर है।

स्वैडल्ड बेबीज ऑर्किड: इस मोहक फूल की बनावट ऐसी होती है जैसे कपड़े में लिपटा हुआ कोई नन्हा बच्चा सो रहा हो। यह फूल मूल रूप से कोलंबियाई देश के एंडीज पर्वत श्रृंखला के वनों में पाया जाता है।

नेकेड मैन ऑर्किड: भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाया जाने वाला यह फूल अपनी विचित्र आकृति के लिए प्रसिद्ध है। इसके छोटे-छोटे फूल बिना कपड़ों वाले इंसान की आकृति जैसे दिखते हैं।

फ्लाइंग डक ऑर्किड: ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला यह छोटा-सा ऑर्किड उड़ते हुए बत्तख जैसा दिखता है। यह आकार असल में कीड़ों को परागण के लिए आकर्षित करने के लिए होता है।

डांसिंग गर्ल्स: पूर्वी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाए जाने वाले ये दुर्लभ फूल, सफेद या हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इनकी बनावट ऐसी होती है, जैसे कोई लड़की डांस कर रही हो।

पैरट फ्लावर: थाईलैंड और म्यांमार में पाया जाने वाला यह फूल एक उड़ते हुए तोते जैसा दिखता है। इसे दुर्लभ श्रेणी में रखा गया है। इस फूल का देश से बाहर निर्यात प्रतिबंधित है।

बर्ड ऑफ पैराडाइज: यह फूल उड़ते हुए रंग-बिरंगे पक्षी जैसा दिखता है। इसके चटक नारंगी और नीले रंग इसे बेहद मनमोहक बनाते हैं। *

खास समय में खिलने वाले फूल

बच्चो, कुछ फूल ऐसे होते हैं, जो किसी खास समय में ही खिलते हैं। इन फूलों में भी कई विशेषताएं पाई जाती हैं।

मॉर्निंग ग्लोरी: यह एक खूबसूरत बेल वाला पौधा है, जो अपने तुरही के आकार के फूलों के लिए जाना जाता है। ये फूल सुबह सूरज उगने पर खिलते हैं। ये बैंगनी, नीले, गुलाबी, लाल और सफेद रंगों के होते हैं।

चांदनी रात में खिलने वाले फूल: कुछ फूल, जैसे 'मून फ्लावर' दिन में बंद रहते हैं और रात में चांद की रोशनी में खिलते हैं, जो रात के समय एक अनोखा नजारा पेश करते हैं। रात में खिलने वाले ये फूल न केवल सुंदर होते हैं, बल्कि उनकी खुशबू भी बहुत मनमोहक होती है।

रात की रानी: नाइट ब्लूमिंग जैस्मिन यानी रात की रानी अपने छोटे सफेद फूलों और भीनी-भीनी खुशबू के लिए प्रसिद्ध है। इसे पारिजात या हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इसके सफेद फूल और नारंगी डंठल होते हैं। यह रात में खिलता है और सुबह होने पर खुद-ब-खुद जमीन पर गिर जाता है।

रजनीगंधा: इसके लंबे डंठल पर सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू रात में और भी बढ़ जाती है।

फोर ओ क्लॉक फ्लावर: यह फूल अक्सर शाम को 4 बजे खिलते हैं और रात भर खिले रहते हैं। इसे गुल अब्बास का पौधा या मीराबिलिस जालपा कहा जाता है। इसे कृष्णकली, संध्याकली, संजमल्लिगे, अंधीमल्लिगाई और लंकाफूल भी कहा जाता है।

ईवनिंग प्रिमरोज: इसके पीले फूल शाम के समय खिलते हैं और अपनी मीठी महक बिखेरते हैं।

ब्रह्म कमल: इस फूल को 'हिमालय का सम्राट' कहा जाता है। यह साल में केवल एक बार रात में खिलता है और सुबह होते ही बंद हो जाता है।

सफेद-घने फर वाला पोलर बियर

पोलर बियर यानी ध्रुवीय भालू, एक बेहद क्यूट-सा दिखने वाला जंतु है। लेकिन यह जितना क्यूट दिखता है, उतना ही खतरनाक भी है। जानो, आर्कटिक क्षेत्र में पाए जाने वाले पोलर बियर के बारे में कुछ और बातें।

जंतु जगत
रेखा शाह आरबी

बच्चो, कोई भी जब पोलर बियर को देखेगा तो इसकी सुंदरता और क्यूटनेस देखकर मोहित हो जाएगा। देखने में इतना मासूम लगता है कि आभास भी नहीं होता कि यह एनिमल एक खतरनाक शिकारी भी है। पोलर बियर, आर्कटिक क्षेत्र का सबसे बड़ा मांसाहारी शिकारी जंतु कहा जाता है।

शारीरिक विशेषताएं: पोलर बियर का फर सफेद रंग का होता है। लेकिन उसकी स्किन काली होती है। बहुत घने फर के कारण यह पूरा सफेद दिखाई देता है। इसका वजन 300 से 700 किलोग्राम तक हो सकता है। लंबाई की बात करें, तो एक वयस्क पोलर बियर की लंबाई 8 से 10 फीट तक होती है। इसका खूबसूरत फर वास्तव में पारदर्शी और खोखला होता है। जिससे धूप की रोशनी नीचे काली त्वचा तक पहुंचती है, जो गर्मी सोख लेती है। फर की मोटी परत और त्वचा के नीचे फैट (वसा) की मोटी परत इसे ठंड से बचाती है। पोलर बियर के पैर बड़े, चौड़े और खुरदुरे होते हैं, जो इसे बर्फ पर चलने में सहायक होते हैं, फिसलने से बचाते भी हैं। पोलर बियर एक बेहतरीन तैराक भी होता है।

आवास व आहार: आर्कटिक महासागर और उसके आस-पास के समुद्री बर्फ वाले क्षेत्र, पोलर बियर के मुख्य निवास स्थान हैं। कनाडा, ग्रीनलैंड, अलास्का (अमेरिका), स्वालबार्ड (नॉर्वे) जैसी बर्फीली जगहों पर यह मुख्य रूप से पाया जाता है, क्योंकि इसका भोजन वहीं पर मिलता है। यह सील का शिकार करता है। आहार में मुख्य रूप से यह सील ही खाता है। हालांकि यह अन्य स्तनधारी जंतुओं का भी शिकार करता है।

माहिर शिकारी: पोलर बियर एक माहिर शिकारी होता है। यह घात लगाकर शिकार करता है। दरअसल, बर्फ के नीचे रहने वाली सील सांस लेने के लिए, बर्फ में छेद बनाकर रहती है। वहीं पर यह घात लगाकर बैठा रहता है। सील सांस लेने के लिए जैसे ही बाहर आती है, यह उसका शिकार कर लेता है। *

जरूरी है पोलर बियर का संरक्षण

आर्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए पोलर बियर बहुत ही जरूरी प्राणी है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण पोलर बियर विलुप्तप्राय हो रहे हैं। आईयूसीएन ने पोलर बियर के लिए ग्लोबल वार्मिंग को सबसे बड़े खतरे के रूप में सूचीबद्ध किया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, इसलिए पोलर बियर के आवास और शिकार (सील) नष्ट हो रहे हैं। इसकी आबादी घट रही है और यह इंसानी बस्तियों के करीब आ रहा है। इस कारण पोलर बियर और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। प्रकृति और जलवायु संतुलन के लिए पोलर बियर का संरक्षण बहुत जरूरी है।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मजेदार किस्सों का पिटारा

बच्चो, जब तुम जाने-माने लेखक स्वयं प्रकाश की लिखी किताब 'सप्पू के दोस्त' पढ़ोगे तो कभी तुम्हें लगेगा कि सप्पू तो खुद लेखक है, फिर दूसरे ही क्षण लगेगा कि सप्पू तुम स्वयं हो या फिर लगेगा सप्पू तुम्हारा दोस्त है। इस किताब में तुम्हें सप्पू के 11 किस्से पढ़ने को मिलेंगे। हर किस्से में तुम सप्पू के साथ जगह-जगह का मजा लोगे। कभी रेल के डिब्बे में होगे, कभी स्कूल के मैदान में तो कभी रास्ते में किसी मजमे वाले के पास रुककर तमाशा देखोगे। कुछ किस्सों के तो शीर्षक भी एक-एक शब्द के हैं, जैसे- 'इम्मी', 'सबक', 'अमरूद', 'कुली', 'गणेशीलाल'। मजे की बात यह है इन किस्सों में स्वयं सप्पू हीरो नहीं है। हीरो कभी कुली है तो कभी गणेशीलाल या कोई और। बहुत ही निराली है सप्पू की बचपन की दुनिया। बच्चो, एक बार किताब को हाथ में लोगे तो पूरी किताब पढ़कर ही तुम्हें चैन मिलेगा। फिर तुम इस किताब को दोस्तों को भी पढ़ाओगे, ताकि तुम सप्पू के किस्सों पर चर्चा कर सको। किताब के चित्र भी सप्पू के किस्सों की तरह बहुत मजेदार हैं, हंसाते हैं, गुदगुदाते हैं। *

किताब: सप्पू के दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** स्वयं प्रकाश
मूल्य: 200 रुपए, **प्रकाशक:** जुगनू प्रकाशन, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिंकी: आंखों के भाई को हम किस नाम से बुलाते हैं?
पिंकी: पता नहीं, तुम्हीं बता दो।
रिंकी: आई-ब्रो।
-हर्षिता, रायपुर

डॉक्टर: मिक्की, इस दवाई को दिन में चार चम्मच लेना।
मिक्की: फिर तो डॉक्टर अंकल, मैं यह दवा नहीं पी पाऊंगी।
डॉक्टर: वो क्यों?
मिक्की: मेरे घर में तो सिर्फ दो चम्मच ही हैं।
-कविता, दुर्ग

पापा: आज मैथ्स टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए?
सोनू: मोनू से तीन नंबर कम।
पापा: अच्छा! मोनू के कितने नंबर आए हैं?
सोनू: तीन नंबर।
-अमन, बिलासपुर

जीके क्विज-190

1. हाल ही में किस भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की है?
2. भारत के 92वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले शतरंज खिलाड़ी कौन हैं?
3. भारत के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
4. दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था?
5. हाल में ही वायु सेना के किस अफसर को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया?
6. पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस को हाल ही में किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
7. विटामिन ई का रासायनिक नाम क्या है?
8. कौन-सा विटामिन बोंस को मजबूत बनाने में सहायक होता है?
9. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
10. माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?

बच्चो, जीके क्विज-190 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-189 का उत्तर : 1.उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा, 2. 77वां, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.15 जनवरी, 5.गुजरात, 6.1950 ई., 7. बी.आर. अंबेडकर, 8.6 (छह), 9.डॉ. राजेंद्र प्रसाद, 10.बंकिम चंद्र चटर्जी

जीके क्विज-189 का सही उत्तर देने वाले : भूमेश-महासमुंद, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, रमेश-बैकुंठपुर, तान्या-दुर्ग, कोमल-हिसार, संचित-रायपुर, अमन-बिलासपुर, सौम्या-बलौदा बाजार, कल्पेश-मटियारी, पवन-दुर्ग

कहानी
गोविंद शर्मा

क्या कोई बंदर पढ़ाई में मन ना लगाने वाले किसी बच्चे को ऐसा सुधार सकता है कि वह बच्चा पढ़ाकू बन जाए? ऐसी अनहोनी दादा जी के साथ उनके बचपन में हुई थी। दादा जी को एक बंदर ने कैसे सुधारा? पढ़ो, एक मजेदार कहानी।

बंदर जी ने सुधारा!

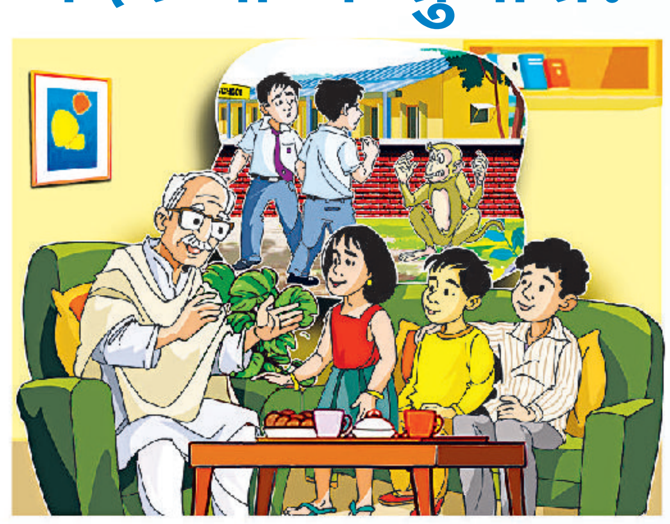

एक दिन बच्चों ने दादा जी को घेर लिया। बच्चे अकसर ही दादा जी का घेराव अच्छी-अच्छी, प्यारी-प्यारी बातें करने लिए करते रहते हैं। एक बच्चे ने पूछा, 'दादा जी, आप कितनी ही भाषाएं हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, संस्कृत पढ़ना-लिखना जानते हैं! आप तो कहते हैं कि सिर्फ स्कूल में पढ़े हैं। कभी कॉलेज में पढ़ने नहीं गए। आपको ज्यादा से ज्यादा पढ़ना किसने सिखाया?'

'एक बंदर जी ने।' दादा जी तुरंत बोले।

बच्चे चौंके, 'बंदर ने! दादा जी, यह क्या कह रहे हैं? आप अपने अध्यापक जी को बंदर जी कह रहे हैं?'

'नहीं-नहीं, मैं तो एक बंदर जी को अध्यापक जी कह रहा हूं।' यह कहकर दादा जी मुस्कुराए।

'आप कह क्या रहे हैं दादा जी? बंदरों को तो मदारी लोग यानी आदमी सिखाते हैं। आप किसी बंदर से कैसे सीखे?' बच्चे दादा जी की बात समझ नहीं पा रहे थे।

'सच कहूं या झूठ?' दादा जी हंसते हुए बोले।

'दादा जी, आप क्या झूठ बोलना भी जानते हैं? हमें तो सदा ही सच बोलना सिखाते हैं।' बच्चे बोले।

दादा जी गंभीर हो गए, बोले, 'चलो, मैं अपनी एक सच्ची कहानी सुनाता हूं। जब मैं स्कूल में था, मेरी रुचि पढ़ने में बहुत कम थी। घर के लोग और स्कूल के कुछ अध्यापक इस कोशिश में रहते थे कि पढ़ने में और स्कूल में टिके रहने में मेरी रुचि बढ़े।'

'यह स्कूल में 'टिके रहना' क्या होता है?' बीच में एक बच्चा बोला।

'टिके रहना भी होता है। मुझे जब भी मौका मिलता, क्लास छोड़कर स्कूल से भाग जाता। इधर-उधर घूमता और छुट्टी होने के समय घर आ जाता।' दादा जी ने बताया।

'क्या आप स्कूल बैग के साथ स्कूल से बाहर आ जाते थे?' एक बच्चे ने सवाल किया।

'अरे नहीं, स्कूल बैग क्लास में छोड़ आता था। छुट्टी होने पर कोई दोस्त वह बैग बाहर लाकर मुझे दे देता। हम स्कूल बैग को बस्ता कहते थे। मेरी तरह स्कूल के कुछ और बच्चे भी ऐसा करते थे। हम स्कूल के मुख्य द्वार से बाहर नहीं जाते थे। क्योंकि ऐसा करने पर हेड मास्टर जी या कोई और मास्टर जी देख सकते थे। इसलिए हम स्कूल की पिछली दीवार लांघकर बाहर जाते थे यानी बंक मारते थे।' दादा जी एक पल रुके, फिर आगे बोले, 'एक दिन गजब हो गया। जैसे ही मैं दीवार से दूसरी तरफ कूद कर खड़ा हुआ, एक बंदर पता नहीं कहां से आ गया। उस समय हमारे स्कूल के आस-पास बंदर नहीं होते थे। मैं उस बंदर को देखता रहा और वह मुझे देखता रहा। मैं जाने लगा तो वह 'खों खों' करता मेरी तरफ बढ़ा। मैं डर गया। मैं कभी इधर तो कभी उधर भागने लगा। बंदर ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। मैं किसी तरह वापस दीवार पर चढ़कर स्कूल की बाउंड्री में कूद गया। कुछ और बच्चों को भी उस बंदर ने स्कूल से यूं भागने से रोका। मैंने एक-दो दिन बाद फिर कोशिश की। पर हर बार वह बंदर मुझे तैयार मिलता। स्कूल से मुझे भागने नहीं देता। उसके डर से मैं स्कूल के समय में स्कूल में ही रहने लगा। अपनी कक्षा में बैठने लगा। पढ़ाई में रुचि लेने लगा। मुझे पढ़ने में भी मजा आने लगा। एक दिन तो गजब हो गया। मुझे अपने गणित के अध्यापक जी के मुंह से थैंक यू सुनने को मिला। अध्यापक जी बोले, 'पहले मुझे लगता था कि तुम इस कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम खराब कर दोगे। लेकिन अब लगता है, तुम्हारी गणित में रुचि लेने से परिणाम ज्यादा अच्छा रहेगा, थैंक यू!' बच्चो, शायद तुम समझ गए होगे कि उस समय मुझे कितनी ज्यादा खुशी हुई होगी, क्योंकि अध्यापक जी से थैंक यू कभी-कभी ही मिलता है। मैं तुम लोगों से यही कहना चाहूंगा कि किसी भी जानवर को कभी कम नहीं समझना चाहिए।'

'बिल्कुल दादा जी, हम यह समझ गए कि आप किसी अध्यापक को बंदर जी नहीं कह रहे हैं बल्कि बंदर को ही बंदर जी कह रहे हैं। कहना भी चाहिए, क्योंकि आपको और आप जैसे दूसरे बच्चों को सुधारने में जहां अध्यापक जी सफल नहीं हुए, वहां एक बंदर जी सफल हो गए। लेकिन हम तो आपसे ही बहुत कुछ सीख रहे हैं, इसलिए आपको ही कहेंगे थैंक यू!'

इसके बाद तो कुछ देर तक बच्चे हंसते रहे। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

बिना पंख उड़ता है मन

बहुत तेज चलता है मन।
मनचाहा करता है मन।।
गहरी नदियों में जाता,
हीरे-मोती ले आता,
ऊंचे-ऊंचे शिखरों पर
बिन पैरों चढ़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
उड़न खटोला ले आता,
दूर देश तक ले जाता,
स्वर्गलोक की परियों से
पल भर में मिलता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
रॉकेट जैसा खूब उड़े,
सूर्य चंद्र से बात करे,
नील गगन में सन-सन-सन
बिना पंख उड़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
किले हवाई बड़े-बड़े,
पल में जीते बिना लड़े,
महल खयाली कितने ही
क्षण भर में रचता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
सागर में गोता खाता,
पनडुब्बी-सा बन जाता,
खतरनाक शेरों को भी
काबू में करता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां एक एंग्री बर्ड के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये पांच अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1.एंग्री बर्ड की टेल का एक फर ब्लू है। 2.एंग्री बर्ड के पीछे पेड़ में कोटर नहीं है। 3.ऊपर पेड़ की तीन पत्तियां कम हैं। 4.एंग्री बर्ड के बाएं पैर में एक अंगुली कम है। 5.एंग्री बर्ड के आगे स्नेल का डायरेक्शन बदला हुआ है।

सही रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में दिख रहे मंकी को स्टार ट्रॉय चाहिए। लेकिन स्टार जिस जगह रखा हुआ है, वहां तक पहुंचने का रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम मंकी को स्टार तक पहुंचने का रास्ता तो बताओ जरा।

खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं ने दिखाया दमखम, एसडीएम ने किया सम्मानित

300 मीटर रेस में बिडौला की मंजू और 400 में आलमपुर की सोनिका प्रथम रही

तोशाम। आयोजित प्रतियोगिता में दौड़ लगाती महिलाएं, चक्का फेंकती महिला तथा समापन अवसर पर विजेता प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम के चौ. सुरेंद्र सिंह खेल परिसर में वीरवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित खंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता महिलाओं को एसडीएम ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता में एसडीएम प्रदीप अहलावत ने कहा कि खेलों से महिलाओं को अपनी प्रतिभा व क्षमता दिखाने का मौका मिलता है। आज महिलाएं विश्व स्तर पर खेलों के माध्यम से देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार जरूरी कदम उठा रही है जिससे खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। एसडीएम प्रदीप अहलावत ने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के अलावा मानसिकता को मजबूत बनाता है। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मानसिक स्वास्थ्य भी होता मजबूत : उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। प्रतियोगिता में महिला खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

खेल प्रतिभा दिखाने का देते हैं अवसरः किरण

सीडीपीओ किरण ने कहा कि घरेलू कामकाज के अलावा ग्रामीण महिलाओं को खेलों में भी जुड़कर रहना चाहिए। खेल महिलाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। वहीं इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से महिलाओं को अपने अंदर छुपी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है।

मंजू, सोनिका व सुदेश रही प्रथम

प्रतियोगिता में 300 मीटर रेस में गांव बिडौला निवासी मंजू प्रथम, गांव लक्ष्मणपुरा निवासी तमन्ना दूसरे और गांव खरकड़ी सोहान निवासी नैन्सी तीसरे नंबर पर रही। 400 मीटर दौड़ में आलमपुर से सोनिका प्रथम, खरकड़ी सोहान से खुशी द्वितीय और आलमपुर से रवीना तीसरे नंबर पर रही। 100 मीटर दौड़ में आलमपुर से सुदेश प्रथम, मिरान से मुकेश दूसरे और देवावास से प्रमिला तीसरे नंबर पर रही। साइकिल रेस में ढाणी सरल से रीतू ने प्रथम, मिरान से प्रियंका ने दूसरा और अलखपुरा से काजल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में बागनवाला से रेखा ने प्रथम, खावा से मंजू ने दूसरा और ढाणीमाहू से सुनीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर में ढांग से पविता ने प्रथम, थिलोड से सुमन ने दूसरा और तोशाम से मंजू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सीडीपीओ किरण, कैरू खंड से सीडीपीओ उषा रानी, सुपरवाइजर कुसुम मलिक, सुपरवाइजर मनोज सांगवान, पंकज शर्मा, प्रीति, सुशीलबाला, पूनम के अलावा मोनिका, प्रथम जिला सयोंजक नीतू, कोच बिजेंद्र बागनवाला, डीपी सुनीता, डीपी अजय कुमार सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टाफ सदस्य, आंगनवाड़ी वर्कर उपस्थित रही।

भिवानी। मजदूर वर्ग से मुलाकात करते कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की मजदूरों से मुलाकात

भिवानी। कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत वीरवार को कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने गांव बामला में मनरेगा मजदूरों व ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और कथित आरोप लगाए कि वर्तमान सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाली मनरेगा योजना को सोची-समझी साजिश के तहत खत्म कर रही है। गुलिया ने कहा कि मनरेगा केवल योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत का आर्थिक आधार है। उन्होंने याद दिलाया कि जब देश आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा था, तब इसी योजना से गरीबों के चूल्हे जले थे। जोगी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अब इस योजना को बंद करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे करोड़ों मजदूरों का रोजगार संकट में है। जोगी ने सरकार द्वारा लाई वीबी जीरामजी योजना पर कड़ा ऐतराज जताया। जिला उपप्रधान व जिला पार्षद रूपेंद्र ग्रेवाल ने स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों का जिक्र करते हुए कहा कि मनरेगा के बजट और क्रियान्वयन में कटौती के कारण गांवों में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं। मजदूरों को न समय पर काम मिल रहा और न पर्याप्त दिनों का रोजगार, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन और आर्थिक तंगी बढ़ रही है। इस अवसर पर बलबीर सरोहा, मास्टर बलवंत घणघस, रवि सोलंकी, संजय गांधी, शिवकुमार धानक, अमित पंघाल, समुंद्र पंच, रवि, विनोद, दीपक, अमित, विजेंद्र, मनोज, नरेंद्र गांधी, संजय व प्रवीण आदि मौजूद रहे।

समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी धरातल पर करें कार्य : उपायुक्त

- नागरिकों के लिए कारगर साबित हो रहे शिविर
- डीसी ने गौर से सुना समस्याओं को, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में समाधान शिविर आयोजित हुआ। समाधान शिविर में डीसी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के गंभीरता के साथ कार्य करें।

नागरिकों की बिजली, पानी और सीवरेज आदि मूलभूत संबंधित समस्याओं का समाधान करना अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी धरातल पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित होते हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों की समस्याएं सुन उनका समाधान करना होता है। ये समाधान शिविर नागरिकों के लिए कारगर साबित हो रहे हैं।

समाधान शिविर में डीसी गुप्ता के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने ग्रिल लगवाने व पंडित नेकीराम लाइब्रेरी सहित शहर में सफाई दुरुस्त करवाने, गांव निमडीवाली निवासी ओमप्रकाश ने ट्यूबवैल कनैक्शन दिलवाने, अनुराग ने बाग कोठी की गली नम्बर दो से टूटे हुए पोल हटवाने व सीवरेज का ढक्कन लगवाने, रूपा-चंपा वाली गली में सीवरेज ओवरफ्लो व बिजली की तारों को हटवाने की समस्या रखी।

इसी प्रकार से सरल निवासी उमेद, आजाद व चंद्रा ने बंद बुढ़ापा पेंशन दिलवाने, ढ़ाणा नरसान निवासी राजेन्द्र ने बीपीएल कार्ड बनवाने, बजीणा निवासी सूरजभान ने जमीन की पैमाइश के बाद की नकल दिलवाने, बापोड़ा निवासी नरेश पाल ने रजिस्ट्री में नाम ठीक करवाने, पार्षद विनोद ने हनुमान गेट चौक पर लीकेज पेयजल पाईप लाईन के मैनहॉल को दुरूस्त करवाने व बंसीलाल पार्क में झूले व लाईट ठीक करवाने, पार्षद अंकुर ने आईएफएसई कोड बदलने पर रूकी हुई बुढ़ापा पेंशन धारियों को बकाया पेंशन दिलवाने तथा सुल्तान, रामचंद्र, प्रमिला व भूपेंद्र ने पीपीपी से संबंधित समस्या रखी।

डीसी श्री गुप्ता ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद

इस दौरान एसडीएम महेश कुमार, नगराधीश अनिल कुमार,डीडीपीओ सोमबीर कादयान, डीपीओ वैशाली, टीएम भरतपाल, नप ईओ राजाराम, डॉ. राजेश ग्रेवाल सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के अलावा गैर सरकारी सदस्य सुनील नम्बरदार, केके ग्रोवर, अनिल सोलंकी, ज्ञानचंद गुलाटी व नरेंद्र आदि उपस्थित रहें।

12वीं जिला स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता का शुभारंभ, 130 खिलाड़ी ले रहे भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश ओला एवं पूर्व अध्यक्ष जिला परिषद भिवानी के आदेशानुसार आयोजित 12वीं जिला स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता का उद्घाटन भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जिंदल ने किया। इस अवसर पर जिला आर्चरी एसोसिएशन के सचिव राजेश धनखड़ ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।

उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों व बच्चों को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र जिंदल ने कहा कि भिवानी आज हर खेल में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह जिले के लिए गर्व की बात है कि आर्चरी जैसे खेल में भी हमारे खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। ऐसे आयोजन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ जिले की खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं। उन्होंने अपने विशेष बयान में कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये अनुशासन, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण की मजबूत नींव रखते हैं। आर्चरी जैसे खेल बच्चों में एकाग्रता, धैर्य और लक्ष्य के प्रति समर्पण पैदा करते हैं। जब युवा खेलों से जुड़ता है तो वह नशे और बुरी प्रवृत्तियों से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाता है। भिवानी की धरती हमेशा से खेल प्रतिभाओं की खान रही है और आने वाले समय में यहां के खिलाड़ी राज्य, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। जिला आर्चरी एसोसिएशन के सचिव राजेश धनखड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता दो दिवसीय है, जिसमें जिले भर से लगभग 130 लड़के व लड़कियां भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में कंपाउंड राउंड, इंडियन राउंड एवं रिकर्व राउंड आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता, पलवल में भिवानी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कोच अमूल्य आनंद, विक्रम शर्मा, श्याम सुंदर, महेश, अमन (तोशाम), बहल से कोच मनीषा सहित अन्य प्रशिक्षकों व खेल प्रेमियों की सराहनीय भूमिका रही। सभी उपस्थित कोचों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

भिवानी। धनूष से तीन चलाकर आर्चरी प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाते हुए।

कुलदीप पीएचडी की उपाधि से सम्मानित

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा निवासी कुलदीप यादव को गुरु काशी विश्वविद्यालय, बठिंडा में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। यह सम्मान श्रीलंका के प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव प्रदीप सपुथंथ्री की मौजूदगी में दिया गया। मुख्य अतिथि सपुथंथ्री ने उन्हें आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। कुलदीप यादव के पिता कृष्ण यादव अंग्रेजी के प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। कुलदीप यादव वर्तमान में पंजाब सरकार के स्वीकृत पद पर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से संबद्ध कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रूप में पिछले 10 साल से कार्यरत हैं तथा शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

जलभराव एवं ओलावृष्टि की दोहरी मार

किसान पर आर्थिक संकट का भार

- पूंजीपति समर्थक छवि छोड़ अब किसान एवं मजदूर की सुध लें भाजपा सरकार : तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश में प्राकृतिक आपदा और सरकार की कथित बेरुखी ने अन्नदाता और मजदूरों को दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले कई महीनों से खेतों में जमा जलभराव, उसके बाद हुई ओलावृष्टि और अब मनरेगा के काम पर लगी रोक ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है, ये बात वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं रिटायर्ड बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर ने कही। उन्होंने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे किसान व मजदूर विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया है।

कांग्रेस नेता नरेश तंवर ने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले कई महीनों से खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई है। किसान की फसल जलमग्न होकर बर्बाद हो चुकी है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस राहत या मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए था कि वह न केवल खराबे का उचित मुआवजा दें, बल्कि संकट की घड़ी में किसानों के बीमा प्रीमियम की राशि भी माफ करें, लेकिन किसान को उसके हाल पर ही छोड़ दिया गया है। जलभराव की मार झेल रहे किसानों पर हाल ही में हुई ओलावृष्टि कोढ़ में खाज की तरह साबित हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों की जेब से प्रीमियम काटकर कंपनियों की तिजोरी भर रही है, जबकि आपदा के समय किसान को क्लेम के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 12 को होगी देशव्यापी हड़ताल

भिवानी। केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के आह्वान पर 12 फरवरी को केंद्र सरकार की कथित श्रमिक, कर्मचारी और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल का आयोजन किया जा रहा है। हड़ताल का मुख्य केंद्र बिंदु सरकार द्वारा लाए चार लेबर कोड्स का विरोध है। भिवानी में आंदोलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं, जिसमें हजारों मिड-डे मील कार्यकर्ता भी अपनी आवाज बुलंद करेंगे। मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी की राज्य प्रधान राजबाला ने बताया कि 9 जनवरी को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में देश की 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों ने सर्वसम्मति से हड़ताल का प्रस्ताव पारित किया था। इसी कड़ी में मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन हरियाणा संबंधित एआईयूटीयूसी ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। यूनियन ने इस संबंध में महानिदेशक, मौलिक शिक्षा विभाग हरियाणा को औपचारिक सूचना भेज दी है।

विरोध अनिरुद्ध चौधरी तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों तथा मजदूरों से मिले

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस नेता आज तोशाम व कैरू में करेंगे सांकेतिक धरना-प्रदर्शन

- वीबी जी राम जी बिल मजदूरों के साथ सरासर अन्याय, कांग्रेस पार्टी करती है विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस के भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने वीरवार को तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न ग्रामीणों तथा मजदूरों ने भी भाजपा द्वारा लागू किए गए वी बी जी राम जी बिल का विरोध जताया तथा मनरेगा बचाओ संग्राम में अनिरुद्ध चौधरी का पूरी तरह समर्थन करने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत तोशाम क्षेत्र के गांव चनाना, दरियापुर, गारनपुरा कला, गारनपुरा खुर्द, डाडम, बागनवाला, जूई कला, जूई बिचली, जूई खुर्द आदि में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मजदूर तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर भाजपा के वी बी जी राम जी बिल बारे चर्चा की तो मजदूरों का गुस्सा सातवें आसमान पर था और उन्होंने कहा कि भाजपा ने मनरेगा को तोड़ मरोड़ कर जो यह वी बी जी राम जी बिल लागू किया है यह मजदूरों के साथ सरासर अन्याय है। इस दौरान कांग्रेस नेता अनिरुद्ध चौधरी का कहना था कि वह मजदूरों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे इसी के चलते कांग्रेस पार्टी मजदूरों के समर्थन में है और वी बी जी राम जी बिल का पूरी तरह विरोध करती है।

तोशाम। एकत्रित लोगों को संबोधित करते कांग्रेस के ग्रामीण अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी। फोटो : हरिभूमि

पंचायत अधिकारी कार्यालय के बाहर होगा धरना-प्रदर्शन

अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत 30 जनवरी शुक्रवार को वह स्वयं तोशाम में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के बाहर सुबह 11 बजे सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करेंगे वहीं कैरू में भी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय के बाहर दोपहर 1 बजे सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न गांव के मजदूर तथा ग्रामीण सम्मिलित होंगे।

खबर संक्षेप

हरे पेड़ों को उखाड़ने का लगाया आरोप

तोशाम। गांव खावा तथा कतवार के कुछ ग्रामीणों ने गांव में लग रहे सोलर प्लांट में हरे पेड़ों को उखाड़ने का आरोप लगाते हुए वन विभाग को शिकायत दी है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण धर्मेंद्र सिंह, अजय कुमार, वीरेंद्र, रामफल, रवि, नरेश, रामेश्वर आदि ने दी शिकायत के माध्यम से बताया कि क्षेत्र के गांव खावा तथा कतवार में करीबन 250 एकड़ जमीन में किसी निजी कंपनी द्वारा सोलर प्लांट लगवाया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस जमीन के बीच-बीच में हरे पेड़ खड़े है कंपनी के कर्मचारी संबंधित विभाग से बिना किसी परमिशन के हरे पेड़ों को चोरी छिपे उखाड़ रहे हैं और कुछ पेड़ों को तो उखाड़ भी दिया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस कार्य में कंपनी का मैनेजर सहित अन्य कर्मचारी शामिल हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत वन विभाग के अधिकारियों को देखकर मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और हरे पेड़ों की कटाई होने से बचाया जाए।

छात्राओं ने किया मेडिटेशन व सूर्य नमस्कार

लोहारू। सावित्रीबाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के दौरान गुरूवार को छात्राओं ने मेडिटेशन और सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। वहीं शिविर के दौरान हेल्थ इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने छात्राओं को ओरल हेल्थ के बारे में जानकारी दी। एनएसएस प्रभारी डॉ. निशा कुमारी ने बताया कि कॉलेज परिसर में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दौरान हेल्थ इंस्पेक्टर सुरेंद्र ने दातों के साथ साथ नियमित रूप से मसूड़ों, जीभ तथा मुंह के ऊतकों की सफाई करने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग के महेंद्र ने छात्राओं को ट्यूबरक्लोसिस के लक्षणों एवं उपचार के बारे में जानकारी दी। शिविर के दौरान हरकोफेड से अधिकारी देवेंद्र सिंह ने छात्राओं को रुचि जैसे बाजरा के लड्डू, अचार बनाना, झूमर बनाना, सॉफ्ट टॉय बनाना, जूट के सामान, ब्लॉक पेंटिंग, मधुबनी पेंटिंग के बारे में बताया कहा कि आगामी फरवरी माह में इसके लिए प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया जाएगा। डायरेक्ट परमिंदर सिंह ने विभिन्न सहकारिता परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर अनेक छात्राएं मौजूद रही। इसके अलावा एनएसएस की छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान की भी जानकारी दी।

बाढ़ड़ा के कन्या स्कूल में करवाया योग

बाढ़ड़ा। सूर्य नमस्कार अभियान के तहत ग्राम पंचायत बाढ़ड़ा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आयुष योग शिक्षक योग आचार्य दिनेश रोहिल्ला ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। योग शिक्षक संजय कुमार का भी विशेष सहयोग रहा। योग भारत की हजारों साल पुरानी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि योग हमें भारतीय ऋषि मुनियों से विरासत में मिला है। प्रत्येक व्यक्ति को योग को अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। जिस प्रकार सृष्टि के कण-कण में सूर्य की ऊर्जा व्याप्त है उसी प्रकार सूर्य नमस्कार हमारे शरीर के प्रत्येक अंग को ऊर्जावान व क्रियाशील बनाए रखता है। सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास हमें जीवन भर रोगों से मुक्त रखना है। योग न केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य को बनाए रखता है बल्कि रोगों का भी निवारण करता है। शरीर की मांसपेशियों को मजबूत व लचीला बनाता है। योग मानसिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे व्यक्ति के आत्मविश्वास व उत्साह में वृद्धि होती है। सूर्य नमस्कार रोगों के मूल कारण चिंता व तनाव को दूर करता है। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य राजेश, डीपीई निलम सहित स्कूल के तमाम स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

आश्रम में मनाया कबीर का निर्वाण दिवस

भिवानी। कालुवास मोड स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय भव्य धार्मिक एवं सामाजिक समागम का वीरवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम संत रामपाल महाराज के सानिध्य में परमेश्वर कबीर साहेब के 508वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। तीन दिन चले आयोजन में सामाजिक सुधार का सशक्त संदेश समाज को दिया। इस समागम का मुख्य आकर्षण रमैणी (बिना दहेज की शादियां) रही। कार्यक्रम के दौरान 4 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इन शादियों की खास बात ये थी कि इनमें न फिजूलखर्ची हुई और न ही दहेज का लेनदेन किया गया। आयोजन समाज में व्याप्त दहेज प्रथा जैसी कुरीति के खिलाफ एक कड़ा प्रहार है। वीरवार को तीसरे दिन भी सामाजिक सुधार की अद्भुत झलक देखने को मिली। आश्रम में आए हजारों श्रद्धालुओं ने जहां आध्यात्मिक ज्ञान एवं प्रदर्शनी का लाभ उठाया, वहीं मानवता की सेवा का भी संकल्प लिया। तीन दिनों तक चले इस अटूट भंडारे में भिवानी और आसपास के क्षेत्रों से आए अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवादारों के प्रबंधन और अनुशासन ने कार्यक्रम को सुचारू बनाने में अहम भूमिका निभाई। मुख्य रूप से बहन अंजू देवी, भगत बलवान दास, वजीरदास, धर्मपालदास, भगवानदास, अधिवक्ता जगवीरदास, जिला कोर्डिनेटर धर्मबीरदास डाबला, नानकदास, नरेंद्र दास, रामकिशनदास और दयाचंदास का विशेष सहयोग रहा।

नैतिक मूल्यों का केंद्र बनेगा ज्ञान ज्योति भवनः नेहा

भिवानी। चंडीगढ़ से पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नेहा बहन ने झोझूकलां में निर्माणाधीन ब्रह्माकुमारीज ज्ञान ज्योति भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि ये भवन भविष्य में आध्यात्मिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा का एक सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से ये आध्यात्मिक संस्थान क्षेत्रवासियों को तनावमुक्त जीवन, सुख-शांति और आनंद की अनुभूति करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजयोगिनी नेहा बहन ने कहा कि आज समाज में आपसी संबंधों में गिरावट आ रही है, मन-मुटाव, ईर्ष्या, द्वेष और घृणा बढ़ रही है, जिससे सामाजिक मूल्य नष्ट होते जा रहे हैं। झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने चंडीगढ़ से पधारी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन ग्रामीण क्षेत्र में आध्यात्मिक ज्योति के माध्यम से समाज को दिव्य गुणों और शक्तियों से प्रकाशित करेगा तथा मानव के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक बनेगा।

खबर संक्षेप

आर्चरी चैंपियनशिप में क्रिस्पी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

चरखी दादरी। आरपीएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय के प्रतिभाशाली क्रिस्पी व दक्ष ने महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय फील्ड इंडोर आर्चरी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। क्रिस्पी व दक्ष की उपलब्धि ये सिद्ध करती है कि दृढ़ निश्चय, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस सफलता के पीछे विद्यालय के आर्चरी कोच परविंदर चावला की कड़ी मेहनत, समर्पण और कुशल प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम किया, जिसका सुखद परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक के रूप में सामने आया। विद्यालय निदेशक डॉ. सुधीर जांगड़ा एवं प्राचार्या संगीता यादव ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आरपीएस पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता है।

कृषि मंत्री ने परिवेदना समिति की बैठक में सुनी 12 शिकायतें, दिए निर्देश

लीपापोती करने वाले अफसर को फटकारा, एक घंटे में मांगी रिपोर्ट

■ हर शिकायत के त्वरित व पारदर्शी निवारण के लिए शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध : श्याम सिंह राणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

जिला लोकसंपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक वीरवार को लघु सचिवालय हाल में हुई। बैठक की अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने की। इस दौरान दादरी विधायक सुनील सतपाल सांगवान एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर उपस्थित रहे।

बैठक में कुल 12 शिकायतें सुनवाई के लिए रखी, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष दो परिवादों को आगामी सुनवाई के लिए लंबित रखा। पैंतावास कलां निवासी प्रोमिला पत्नी अमरजीत की शिकायत को कृषिमंत्री राणा ने स्टेट क्राइम से जांच करवाने के आदेश दिए। वहीं बौन्दकलां निवासी वाइस चेयरमैन पंचायत समिति व मुनेश सहित अन्य ग्रामीणों की शिकायत निर्माण कार्य में लगाई सामग्री की जांच भी स्टेट विजिलेंस से करवाने के आदेश दिए। इसके साथ ही जिन कर्मचारियों एवं अधिकारियों की मिलीभगत पाई जाएगी, उन पर कार्रवाई के आदेश दिए। ढाणी फौगाट निवासी नवीन की शिकायत पर लिपापोती करने वाले अधिकारी को फटकार लगाते हुए एक घन्टें के अन्दर जांच रिपोर्ट को प्रस्तुत करने का आह्वान किया। इन शिकायतों के अतिरिक्त अन्य मौजूद नागरिकों की समस्याओं को भी सुना और अधिकारियों दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में जन शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निवारण के लिए हमारी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि परिवेदना समिति की मासिक बैठकें शासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त मंच हैं, जहां आमजन अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। परिवादी की समस्या का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। सरकार जनकल्याण के लिए है और सरकार जनता की सुविधा के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए तथा शिकायतकर्ता को हर चरण में शामिल रखा जाए।

भिवानी। जिला लोकसंपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक में शिकायत सुनते मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि

सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई

बैठक के बाद पत्रकारवार्ता करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमारी सरकार ने जनता की भलाई के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हुई है। उन्होंने कहा कि बजट को लेकर स्वयं मुख्यमंत्री सैनी गंभीर है और लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सैनी लगातार बजट के लिए हर वर्ग से सुझाव ले रहे हैं, जिससे ध्यान में रखकर जनता के लिए के लिए बजट पेश होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जैविक एवं ऑर्गेनिक खेती को 20 प्रतिशत तक लक्ष्य निर्धारित कर रखा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने जैविक खेती को प्रोत्साहित करते हुए जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपये अनुदान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को देशी नस्लों की गाय को पालने पर 30 हजार रुपये की धनराशि मुहैया करवाई जा रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार राज्य में हर जिले में हम ऑर्गेनिक मंडियां स्थापित कर रहे हैं, जिससे कि किसानों कि फसलें अच्छे दामों पर बिकेंगी। ओलावृष्टि से प्रभावित हुई फसलों की खराबे का भुगतान सरकार करेगी।

भिवानी। मतदाता जागरूकता अभियान में हस्ताक्षर करते चेयरमैन बक्शीराम सैनी।

बक्शीराम सैनी बने युवा मतदाता लोकतंत्र के ब्रांड एम्बेसडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में मेरा युवा भारत कार्यक्रम के अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल पर मतदाता जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल के मार्गदर्शन में जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। पदयात्रा को मुख्यतिथि नगर परिषद चेयरमैन बक्सीराम सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा की शुरुआत आईटीआई रावलधी से हुई, जो बस स्टैंड के सामने से होते हुए पुनः आईटीआई रावलधी पर आकर संपन्न हुई।

पदयात्रा के दौरान युवाओं ने हाथों में स्लोगन कार्ड लेकर मतदान से जुड़े नारे लगाए, जिससे पूरे शहर में मतदाता जागरूकता का संदेश प्रसारित हुआ। कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा 18 प्लस मतदाता जागरूकता का प्रतीक चिन्ह बनाकर ये संदेश दिया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही मतदान के अधिकार का उपयोग करना प्रत्येक युवा का कर्तव्य है। मतदाता हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत के माध्यम से युवाओं ने मतदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यादव ने माय भारत भूमिका पर प्रकाश डाला

जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने माय भारत की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा,"माय भारत द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त अभियान चलाया जा रहा है। लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब युवा मतदाता जागरूक होकर सही प्रतिनिधि का चुनाव करें। मुख्यतिथि बक्सीराम सैनी ने पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं का लड्डू खिलाकर स्वागत एवं सम्मान किया और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उन्हें बिना किसी संकोच के अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

टीआईटी स्कूल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने को युवाओं को संभालनी होगी जिम्मेदारी: महता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

रोटरी यूथ लीडरशिप अवाड्र्स क्लब (रायला) द्वारा टीआईटी वमा विद्यालय के विवेकानंद सभागार में विभिन्न शैक्षणिक और रचनात्मक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान निबंध लेखन, पेंटिंग और स्केचिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कला और शब्दों के माध्यम से समाज में महिलाओं की भूमिका और उनकी शक्ति को बखूबी दर्शाया। कार्यक्रम का आगाज रघुनंदन सभागार में मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के जिला गवर्नर भूपेश मेहता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

■ युवाओं को सफल व जागरूक नागरिक बनाने को उन्हें सामाजिक मुद्दों से अवगत करवाना जरूरी : प्राचार्य

उनके साथ जिला चेयरमैन नवीन जिंदल, प्रेसिडेंट जगदीश कुमार, डॉ. एनके गर्ग व अशोक भाटी जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। प्राचार्य डॉ. डीपी कौशिक व प्रभारी सरिता शर्मा ने अतिथियों का पटका और माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि भूपेश मेहता ने कहा कि युवा के पास केवल सपने नहीं, बल्कि उन्हें पूरा करने की तकनीक और नई सोच भी है, युवा नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालें, तो बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को जड़ से मिटाया जा सकता है। प्रतियोगिता के समापन के बाद विजेता विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के लिए पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को ट्राफियां और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

भिवानी। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

बीमारियों से बचाव और उपचार के लिए जागरूकता जरूरी: सीटीएम

नगराधीश अनिल कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक में दिए जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सीटीएम अनिल कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर निकट भविष्य में चलाए जाने वाले लड़कियों के टीकाकरण और 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलने वाले कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगराधीश ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे टीकाकरण अभियान और कुष्ठ रोग के प्रति बनी भ्रांतियों को दूर करने को लेकर लोगों में जागरूकता लाएं। इसके लिए ग्राम सभाएं आयोजित की जाएं और स्कूलों में विद्यार्थियों को जागरूक किया जाए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जाने वाले अभियानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. आशीष ने टीकाकरण और डॉ. विकास ने कुष्ठ रोग जागरूकता के बारे में प्रोजेक्टर पर जानकारी दी।

नगराधीश ने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता के लिए नागरिकों में जागरूकता जरूरी है। उन्होंने विशेषकर पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वे गांवों और शिक्षण संस्थानों में टीकाकरण, कुष्ठ रोग से बचाव व भ्रांतियां दूर करने को लेकर नागरिकों को जागरूक करें। बैठक में सिविल सर्जन डॉ.रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर तीन महीने तक टीकाकरण अभियान चलेगा। इसी प्रकार से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस 30 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक कुष्ठ रोग से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

लड़कियों को ही लगेंगी सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन

चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल में टीकाकरण नोडल अधिकारी डॉ. आशीष ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर निकट भविष्य में वैक्सीन लगाने का अभियान चलेगा, जिसमें केवल 14 साल आयु पूरी कर चुकी और 15 साल तक की ही लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन लगेंगी। यानि लड़कियों की उम्र 14 से ऊपर और 15 साल से नीचे होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वैक्सीन लगाने का कार्य जिला के सामान्य अस्पताल के अलावा पीएचसी, सीएचसी और एसडीएच में होगा। वैक्सीन अभिभावकों की सहमति पर ही लगेगी। उन्होंने बताया कि वैक्सीन की केवल एक डोज लगेगी और इसका साल तक असर रहेगा। आयु आधार कार्ड पर आधारित होगा।

कुष्ठ रोग के लक्षणों की दी जानकारी : बैठक में कुष्ठ रोग के लक्षणों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. विकास ने बताया कि चमड़ी पर लाल तामिया दाग व तैलीय चमक जिसमें खुजली चुभन या जलन ना हो बल्कि सुन्नपन हो तथा गर्म ठंडे का एहसास ना हो तो यह कुष्ठ रोग हो सकता है। ये धब्बे या निशान शरीर के किसी भी भाग में हो सकते हैं। हाथ पांव में नमी का अनुभव न होना, कोहनी के नीचे कान के पीछे या घुटने के नीचे नस का सूजना भी कुष्ठ रोग का लक्षण हो सकता है। हाथों या पांव की उंगलियों का मुड़ जाना भी कुष्ठ रोग की ओर संकेत देता है।

कुष्ठ रोग के प्रति 30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा अभियान

बैठक में कुष्ठ रोग नोडल अधिकारी डॉ. विकास ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्सर लोग कुष्ठ रोगी से घृणा करते हैं, जो कि सही नहीं है। कुष्ठ रोगी भी समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि कुष्ठ छूत का रोग न होकर टीबी की तरह हवा से फैलता है, रोग ग्रस्त इंसान से खांसी आदि से आता है। उन्होंने बताया कि अभियान में लोगों को कुष्ठ रोगी से नफरत करने की बजाय सावधानी व उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दवाइयों से घर पर इलाज लेकर ही कुष्ठ रोग पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है।

13.34 ग्राम हेरोइन सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

चरखी दादरी। दादरी सीआईए स्टाफ ने 13.34 ग्राम हेरोइन के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एएसआई विशाल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार बताए गए स्थान पर छापा मारकर तीन युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर युवकों के पास नशीला पदार्थ हेरोइन मिला। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अक्षय, रवि चरखी व साहिल फतेहगढके रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर चिट्टा बेचने का काम करते हैं। पूछताछ के बाद तीनों आरोपित कोर्ट में पेश किए। आरोपी अक्षय व साहिल को न्यायिक हिरासत में भेजा तथा आरोपी रवि को दो दिन पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

बैंक शाखा बंद होने से सैंकड़ों बुजुर्गों की पेंशन रुकी

■ लाभार्थियों के अधिकारों का हनन करने वाली फॉर्म में दर्ज विवादास्पद शर्त को हटाया जाए : पार्षद अंकुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शहर के वार्डों में बैंक शाखाओं के विलय और तकनीकी खामियों के कारण सैंकड़ों बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की पेंशन पिछले करीबन तीन माह से लटकी हुई है। इस समस्या के समाधान के लिए पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने वीरवार को समाधान शिविर में पहुंचकर जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में पार्षद अंकुर कौशिक, पार्षद प्रतिनिधि मदन सुदामा तंवर, पार्षद मनीष गुरेजा, पार्षद अनिल चौहान व पार्षद जयवीर रंगा शामिल रहे। उन्होंने मांग की कि लाभार्थियों की रुकी हुई पेंशन को तुरंत बहाल किया जाए।

पार्षद कौशिक ने बताया कि महम गेट स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा, जो पिछले 40-45 वर्षों से वहां कार्यरत थी, उसे अब बंद कर घंटाघर शाखा में विलय कर दिया है। इस शाखा में वार्ड नंबर 4, 5, 6 और 7 के सैंकड़ों लाभार्थियों के खाते थे।

उन्होंने बताया कि शाखा बदलने के कारण बैंक का आईएफएससी कोड बदल गया, जिसकी वजह से लाभार्थियों की पेंशन पिछले 2-3 महीनों से उनके खातों में नहीं पहुंच पा रही है। समाधान शिविर में पार्षद प्रतिनिधियों ने समाज कल्याण विभाग द्वारा भरवाए जा रहे सुधार फॉर्म पर गहरा रोष प्रकट किया।

उन्होंने बताया कि विभाग जो फॉर्म भरवा रहा है, उसमें एक शर्त ये है कि मैं बकाया पेंशन की मांग नहीं करूंगा/करूंगी तथा बकाया बारे भविष्य में शिकायत दर्ज नहीं करूंगा/करूंगी अंकित हैं। पार्षदों का तर्क है कि जब गलती बैंक या विभाग की है, तो गरीब लाभार्थी अपनी पिछली रुकी हुई पेंशन का अधिकार क्यों छोड़े। उन्होंने मांग की कि इस कॉलम को तुरंत हटाया जाए और लाभार्थियों को उनकी पूरी बकाया राशि का भुगतान किया जाए।

भिवानी। समाधान शिविर में शिकायत करने जाते पार्षद अंकुर कौशिक व अन्य।

विज्ञान में इशिका व प्रीति तथा कंप्यूटर साइंस में सिंचन व इशु के मॉडल अव्वल

भिवानी। महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में वीरवार को महाविद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें भूगोल, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जुलोजी, मनोविज्ञान, बोटनी एवं कंप्यूटर साईंस विषय में मॉडल प्रस्तुत किए। महाविद्यालय प्रेस प्रभारी डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी की भौतिकी में हेमंत व विनय तंवर, रसायन विज्ञान में इशिका व प्रीति, कंप्यूटर साईंस में सिंचन व इशु, बोटनी में रीतू व कोमल, जूलोजी में पूजा शर्मा व यशमीन, भूगोल में चांदनी व पिंकी, मनोविज्ञान में दीप्ति व अशोक के मॉडल प्रथम रहे। प्रदर्शनी के कन्वीनर उपप्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान ने बताया कि प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मॉडल 31 जनवरी को राजीव गांधी महाविद्यालय में होने वाली जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेंगे। अंत में प्राचार्य जगबीर सिंह श्योराण ने विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। प्रदर्शनी के सफल आयोजन में डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. जसमिंद्र सिंह, अनिल सिंघल, प्रवीण यादव, सतीश खरोलिया, मनोज कुमार, दीपिका, अनुज, प्रवेश कुमारी, डॉ. तरूणा, पूजा, अमरजीत, खुशबू, मोनिका मनचंदा, अनिता, राहुल बरेटिया व आंचल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्राचार्य ने कहा कि विज्ञान सिर्फ एक विषय नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि उच्चतर शिक्षा विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रूचि प्रदान करना है।

वित्तीय व डिजिटल साक्षरता के प्रति किया जागरूक

लोहारू। ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान प्रणाली, बैंकिंग सेवाओं, साइबर सुरक्षा, वित्तीय योजना, सरकारी योजनाओं तथा धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए उपमंडल के गांव सुखदेव सिंह का बास में हरियाणा ग्रामीण बैंक द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया, जिसमें ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के साथ साथ विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी दी। शाखा प्रबंधक भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर के दौरान बैंक कर्मचारियों ने ग्रामीणों को बचत खाता, फिक्स्ड डिपॉजिट, एटीएम सुविधा, डेबिट कार्ड, मोबाइल एवं इंटरनेट बैंकिंग, केवाईसी सहित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं के बारे विस्तार से बताया गया। इसके अलावा ग्रामीणों को डिजिटल पेमेंट सिस्टम प्रति विशेष रूप से जागरूक किया।

समस्या सेक्टर-23 में सड़क का लेवल सही नहीं होना बना परेशानी का सबब

पॉश इलाके में लोगों का मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना दुर्भाग्यपूर्ण : महेंद्र सिंह

करोड़ों रकी लागत से बनी नई सड़के सेक्टरवासियों के लिए परेशानी का सबब बनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शहर का वह इलाका जिसे कभी पॉश और आधुनिक सुविधाओं से लैस माना जाता था, आज प्रशासनिक अनदेखी और तकनीकी खामियों के कारण नरकीय जीवन जीने को मजबूर है। हम बात कर रहे सेक्टर-23 की, जहां जलभराव और गंदगी ने स्थानीय निवासियों का जीना दूभर कर दिया है। विडंबना ये है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी नई सड़के ही अब सेक्टरवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। वीरवार को समस्या से तंग आकर सेक्टरवासियों ने एकत्रित होकर प्रशासन के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत करवाया, लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन ही मिले। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन-सैक्टर-23 के मुख्य संरक्षक महेंद्र सिंह श्योराण ने कथित आरोप लगाया कि बीते जून माह में यहां नई सड़कों का निर्माण किया था। सड़क की लेवलिंग सही न होने के कारण बारिश का पानी तो दूर, सामान्य निकासी का पानी भी सड़कों पर जमा रहता है। यहां जल निकासी की कोई पुख्ता व्यवस्था न होने के कारण सड़क ने एक छोटे जोहड़ का रूप ले लिया है। गंदा पानी जमा रहने के कारण पूरे क्षेत्र में बदबू फैल रही है और मच्छर पनप रहे हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, जिसके चलते नागरिकों को गंदे पानी के बीच से गुजरने में फिसलने और गिरने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सेक्टर-23 जैसे पॉश इलाके में लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

भिवानी। लेवलिंग की समस्या को लेकर एकत्रित क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

जून में नई सड़क बनाई थी, लेकिन बिना लेवलिंग के किए गए कार्य ने पानी की निकासी को पूरी तरह ठप कर दिया है। इस अवसर पर अनीता, नरेश कुमारी, सुनीता, सुदेश, अंजू, सरोज, प्रेम, चंद्रकला, सुनीता व सूबेदार धर्मपाल आदि मौजूद रहे।